भारत – इटली संबंध

भारत और इटली पुरानी सभ्यताएं हैं परंतु युवा देश है (इटली का पुन: एकीकरण 1861 में ही हुआ है)। संस्कृत और लैटिन दोनों ही प्राचीन भाषाएं भारत - यूरोपीय भाषा परिवार से संबंध रखती हैं। इन दोनों प्राचीन सभ्यताओं के लोगों ने 2000 साल से अधिक समय से एक - दूसरे के साथ व्यापार किया है, अंत:क्रिया की है और एक - दूसरे को जानते हैं। भारत के बंदरगाह शहर स्पाइस रूट पर महत्वपूर्ण ट्रेडिंग पोस्ट थे। वेनिस के सौदागर मार्को पोलो ने पूरब की अपनी यात्रा के दौरान 13 शताब्दी में भारत की भी यात्रा की थी तथा अपने अनुभवों के बारे में लिखा है। ब्रिटिश इंडियन आर्मी में काम करने वाले भारतीय सैनिक द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली में सक्रिय थे। इनमें राजपुताना राइफल्स और गोरखा राइफल्स शामिल हैं। 10वीं भारतीय डिवीजन ने सोमाली लैंड और एबिसीनिया में इटली के विरुद्ध पूर्वी अफ्रीकी संबद्ध अभियान में हिस्सा लिया।

राजनीतिक संबंध :

भारत एवं इटली के राजनीतिक संबंधों की स्थापना 1947 में हुई। दोनों देशों के बीच संबंध मधुर हैं। दोनों देशों के बीच राजनीतिक एवं आधिकारिक स्तरों पर यात्राओं का नियमित रूप से आदान - प्रदान होता है। भारत की ओर से, राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष के स्तर पर यात्राएं 1953 एवं 1955 में हुई हैं जब प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इटली का दौरा किया, प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने नवंबर, 1981 में इटली का दौरा किया; राष्ट्रपति डा. शंकर दयाल शर्मा ने अक्टूबर, 1996 में इटली का दौरा किया; प्रधानमंत्री श्री एच डी देव गौड़ा ने नवंबर 1996 में इटली का दौरा किया; प्रधानमंत्री श्री आई के गुजराल ने सितंबर, 1997 में इटली का दौरा किया; प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जून, 2000 में इटली का दौरा किया; और प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने जुलाई, 2009 में इटली का दौरा किया। इटली के ओर से, राष्ट्राध्यक्ष / शासनाध्यक्ष के स्तर पर पहली यात्रा 1998 में हुई थी जब प्रधानमंत्री श्री गियोवानी गोरिया ने भारत का दौरा किया। इसके बाद राष्ट्रपति डा. ऑस्कर लुइगी स्कालफारो ने फरवरी, 1995 में भारत का दौरा किया; प्रधानमंत्री प्रो. रोमानो प्रोदी ने जनवरी, 1988 में भारत का दौरा किया; राष्ट्रपति श्री कार्लो एजेगलियो कियाम्पी ने फरवरी, 2005 में भारत का दौरा किया; और प्रधानमंत्री श्री रोमानो प्रोदी ने फरवरी, 2007 में भारत का दौरा किया। दोनों देश नियमित रूप से एक संस्थानीकृत वरिष्ठ अधिकारी वार्ता (विदेश कार्यालय परामर्श) का आयोजन करते हैं। वर्ष 2004 में आई पी यू इटली चेंबर में एक भारत - इटली संसदीय मैत्री संघ का गठन किया गया। वर्ष 2011 में इटली के पुन: एकीकरण के 150वें वर्षगांठ समारोह में भाग लेने के लिए तत्कालीन विदेश मंत्री श्री एस एम कृष्णा ने इटली का दौरा किया। इसी साल विदेश राज्य मंत्री ने भी भारतीय व्यवसाय समुदाय से मिलने के लिए इटली का दौरा किया तथा इटली के अपने समकक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। 2012 में इटली के विदेश मंत्री श्री गुलिलो तेरजी ने भारत का दौरा किया तथा विदेश मंत्री और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री के साथ द्विपक्षीय चर्चा की। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री सुशील कुमार शिंदे ने त्रिवार्षिक इंटरपोल मंत्री स्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए 4 और 5 नवंबर 2012 को रोम का दौरा किया।

आर्थिक संबंध :

इटली यूरोपीय संघ में भारत के शीर्ष 5 व्यापार साझेदारों में से एक है। 1980 के दशक के पूर्वार्ध से व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहा है। 2008 की विश्वव्यापी आर्थिक मंदी से पहले, वर्ष 2007 तक द्विपक्षीय व्यापार में काफी वृद्धि हुई परंतु 2008 की आर्थिक मंदी की वजह से इटली की अर्थव्यवस्था काफी धीमी हो गई जिसका द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल असर हुआ। 2011-12 में द्विपक्षीय व्यापार 8.52 बिलियन यूरो था जो वर्ष 2010-11 के द्विपक्षीय व्यापार की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक है तथा इसकी मुख्य वजह

वैश्विक स्तर पर आर्थिक समुत्थान है। तथापि, 2012-13 में, इटली में गंभीर आर्थिक मंदी उत्पन्न होने तथा आर्थिक संयम बरतने एवं वर्ष 2012 में इटली सरकार द्वारा शुरू किए गए सुधार कार्यक्रम की वजह से यह कुल द्विपक्षीय व्यापार घटकर 7.09 बिलियन यूरो पर आ गया। 2014-15 में कुल व्यापार 9 बिलियन अमरीकी डालर था जो 1.12 प्रतिशत की ऋणात्मक वृद्धि को दर्शाता है। भारत इटली को जिन वस्तुओं का निर्यात करता है उनमें मुख्य रूप से रेडिमेड गारमेंट, लेदर, लौह अयस्क, मोटर वाहन, टेक्सटाइल, रसायन, जेम्स एवं जवेलरी शामिल हैं। भारत इटली से जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें मुख्य रूप से सामान्य एवं विशेष प्रयोजन की मशीनें, मशीनरी, टूल्स, मौसम विज्ञानी उत्पाद तथा इंजीनियरिंग आइटम शामिल हैं। इटली की लगभग 140 बड़ी कंपनियां भारत में सक्रिय हैं। इटली की जिन कंपनियों ने भारत में निवेश किया है उनमें से कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं - फिएट आटो, हिंज इटालिया, फियोइया, इटलसिमेंटी, नेच्ची कंप्रेशरी, परफेटी, लवाजा, फाटा हंटर इंजीनियरिंग, ई एन आई, साई इंडिया, इसागरो (एशिया) एग्रोकेमिकल, पियागियो, तथा इंप्रेगलिया, सी डचफर ग्रुप, फिनमेसिनिका स्पा, फेरेरो, सेलिनी आदि। आईटी, इलेक्ट्रानिक्स, भेषज पदार्थ, आटोमोबाइल, टेक्सटाइल एवं इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों में इटली में भारतीय कंपनियों की उपस्थिति है। इटली में प्रचालन करने वाली प्रमुख भारतीय कंपनियां इस प्रकार हैं - टाटा, टी सी एस, विप्रो, इंजीनियर इंडिया लिमिटेड, एल एंड टी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रैनबैक्सी, रेमण्ड आदि। मिलान में एस बी आई का एक प्रतिनिधि कार्यालय है। इटली के 6 बैंकों का भारत में प्रतिनिधित्व है। इटली से एफ डी आई अंत:प्रवाह को आकर्षित करने वाले शीर्ष क्षेत्र इस प्रकार हैं - आटोमोबाइल उद्योग / परिवहन, खाद्य प्रसंस्करण, धातु विज्ञान उद्योग, टेक्सटाइल, विद्युत उपकरण तथा अन्य। संयुक्त आर्थिक आयोग एक संस्थानिक तंत्र है जिसकी अध्यक्षता दोनों देशों के संबंधित वाणिज्य मंत्रियों द्वारा की जाती है। संयुक्त आर्थिक आयोग के तहत, निम्नलिखित क्षेत्रों में संयुक्त कार्य समूह हैं :- अवसंरचना, पर्यटन, रेलवे, खाद्य प्रसंस्करण, नवीकरणीय ऊर्जा, सूचना प्रौद्योगिकी एवं कृषि। संयुक्त आर्थिक आयोग की 18वीं बैठक दिसंबर, 2009 में नई दिल्ली में हुई थी। हाल ही में, जून, 2014 में भारत के राष्ट्रीय कैरियर एयर इंडिया ने पर्यटन एवं कारोबार दोनों प्रयोजनों के लिए एक - दूसरे के देश का दौरा करने के लिए भारत और इटली के पर्यटकों एवं कारोबारियों दोनों को अवसर प्रदान करते हुए नई दिल्ली से इटली के रोम और मिलान को जोड़ने वाली सेवा शुरू की है।

सांस्कृतिक आदान - प्रदान, वैज्ञानिक सहयोग आदि :

सांस्कृतिक सहयोग के लिए करार पर हस्ताक्षर 1976 में किया गया। इसके तहत भारत और इटली के बीच सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम (सी ई पी) शामिल है जिसके तहत भाषा कार्यक्रमों के अलावा अन्य शैक्षिक पाठ्यक्रमों में छात्रों का आदान - प्रदान अनिवार्य है। इटली में लगभग 10 विश्वविद्यालय / उच्च शिक्षा संस्थाएं हैं जहां अत्यधिक योग्य संकाय सदस्य हैं जो भारतीय कला, इतिहास एवं भाषाओं में पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। इनमें से कई संस्थाएं इटली के छात्रों को हिंदी एवं संस्कृत पढ़ाती हैं। रोम में लॉ सेपेंजा विश्वविद्यालय में सितंबर, 2011 में आधुनिक भारतीय इतिहास पर एक आई सी सी आर चेयर भी स्थापित की गई। 1978 से ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के लिए करार मौजूद है। इस करार के तहत तीन वर्षीय कार्य योजनाओं की परिकल्पना है जिसके तहत अधिक से अधिक तीस संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं को हाथ में लिया जा सकता है। संयुक्त अनुसंधान के कुछ प्राथमिक क्षेत्र इस प्रकार हैं - इलेक्ट्रानिक, जैव प्रौद्योगिकी, डिजाइन इंजीनियरिंग, आटोमोबाइल टेक्नोलॉजी एवं ऊर्जा आदि। 2005 में दोनों देशों के बीच श्रव्य - दृश्य सहयोग के लिए एक करार पर हस्ताक्षर किया गया। मार्च 2014 में प्रतिष्ठित म्यूजियम ऑफ ओरिएंटल आर्ट (एम एन ए ओ) में शैक्षिक संस्थाओं के साथ मिलकर मिशन द्वारा एक 'इंडोलाजिकल

कन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया। इटली में 21 जून 2015 को पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस जोश के साथ मनाया गया।

भारतीय समुदाय :

इटली में भारतीय समुदाय यूरोप में यूके के बाद सबसे बड़ा भारतीय समुदाय है। इटली के नवीनतम आधिकारिक अनुमानों के अनुसार 1,60,000 से अधिक भारतीय नागरिक इटली में निवास करते हैं। पहली पीढ़ी के प्रवासी के रूप में इनमें से अधिकांश आर्थिक क्षेत्रों जैसे कि कृषि, डेयरी फार्मिंग, चमड़ा उद्योग, निर्माण कार्य एवं सेवा उद्योग में काम करते हैं। भारतीय डायसपोरा का एक बड़ा हिस्सा इटली के उत्तरी क्षेत्रों जैसे कि लुंबारडिया, पियोमोंटे, वेनेटो एवं इमिलिया रोमागना क्षेत्रों, मध्य इटली जैसे कि फ्लोरेंस, रोम और दक्षिण इटली जैसे कि कंपानिया, पुगलिया और कलाब्रिया में संकेंद्रित है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, रोम की वेबसाइट :
http://www.indianembassyrome.in/

*****

जनवरी, 2016